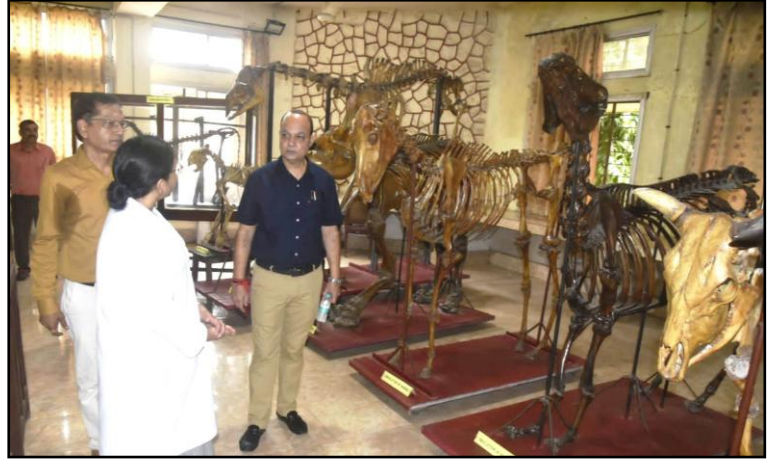


वीयू – कुलपति ने किया वेटेरनरी कॉलेज का निरीक्षण



नानाजी देशमुख पशुपालन विश्वविद्यालय की नवागत कुलपति प्रो. डॉ. मनदीप शर्मा जी ने वेटेरनरी महाविद्यालय का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने महाविद्यालय के विभिन्न 16 विभागों में उपलब्ध शैक्षणिक, अनुसंधान हेतु उपलब्ध सभी सुविधाओं को बारीकी से देखा तथा विभागाध्यक्ष तथा विभागों में पदस्थ फ़ैकल्टी तथा उपस्थित छात्राओं से भी रूबरू हुए। उन्होंने विभागों में स्नातकोत्तर तथा पी.एच.डी. के छात्र-छात्राओं की जानकारी ली तथा चल रहे अनुसंधानों के बारे में पूछा।



द्वितीय चरण में कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगणों के साथ वेटेरनरी महाविद्यालय के सभी विभागों के प्रमुख के साथ में एक बैठक की जिसमें उन्होंने कहा कि



महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के छात्रों तथा पशुपालकों के हित के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि, प्रत्येक विभाग के विभाग प्रमुख, फ़ैकल्टी तथा स्पोर्टिंग स्टाफ विभाग के दायित्व को अच्छे से अनुशासन बद्ध होकर प्रतिपादित करें। अच्छी कार्य क्षमता के लिए यहां जरूरी है वहां का कार्य करने का वातावरण भी

अच्छा बना रहे जिससे छात्र और स्टाफ एकजुट कार्य कर सकें।

कुलपति महोदय ने प्रत्येक विभाग के विभाग प्रमुख को निर्देश दिए की प्रत्येक फेकल्टी के पास एक रिसर्च प्रोजेक्ट होना चाहिए क्योंकि परियोजनाओं के माध्यम से विभाग सुदृढ़ होता है, छात्र-छात्राओं को लाभ मिलता है तथा महाविद्यालय का नाम होता है और साथ ही



परियोजनाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय अपने पशु पालको के प्रति दायित्व निभाने में अपने भूमिका निभाता है। साथ ही प्रदेश तथा देश को पशुपालन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने हेतु कार्यरत रहता है। उक्त बैठक में कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, अधिष्ठाता वेटेनरी कॉलेज डॉ. राजेश शर्मा, वित्त नियंत्रक श्री कोरी,

संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.पी. लखानी, संचालक शिक्षण डॉ. मधु स्वामी, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. एस.एस. तोमर, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. सुनील नायक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा संचालक वाइल्डलाइफ डॉ. शोभा जावरे, संपदा अधिकारी डॉ. कारमोरे, संचालक बायोटेक्नोलॉजी डॉ. ए.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जी. दास, डॉ. बी. राय, डॉ. एस. घोष, डॉ. अपरा साही, डॉ. देवेंद्र गुप्ता, डॉ. मोहन सिंह, डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. यामिनी वर्मा, डॉ. अंजू नायक, डॉ. रुचि सिंह सहायक कुल सचिव डॉ. रामकिंकर मिश्रा तथा सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सोना दुबे उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर